आमंत्रण पत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

Changing Dimensions of Indian Foreign Policy : 2019 – Till Now

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024 ई.

सेवा में,

.....

.....

.....

प्रेषक :

डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्राचार्य

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज

जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014

www.mpm.ac.in mpmpg5@gmail.com

आमंत्रण पत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

Changing Dimensions of Indian Foreign Policy : 2019 – Till Now

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024 ई.

उद्घाटन

7 सितम्बर, 2024 ई., पूर्वाह्न 11:00 बजे

मुख्य अतिथि

प्रो. तेज प्रताप सिंह
राजनीति शास्त्र विभाग
समन्वयक, पंडित दीन दयाल पीठ,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

अध्यक्ष

प्रो. कविता शाह
कुलपति
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर

विशिष्ट अतिथि

डॉ. एफ.आर. सिद्दीकी
प्रतिनिधि, इंडियन काउन्सिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स
सप्रू हाउस, नई दिल्ली

समापेाप

8 सितम्बर, 2024 ई., अपराह्न 02:00 बजे

मुख्य अतिथि

श्री मंजीव पुरी
पूर्व राजदूत- नेपाल, बेल्जियम,
लक्जमबर्ग एवं यूरोपीय संघ
नई दिल्ली

अध्यक्ष

लेफ्ट.जन. (से.नि.) आर.पी. शाही, एवीएसएम
पूर्व उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
लखनऊ

विशिष्ट अतिथि

प्रो. अरविन्द कुमार
सेन्टर फॉर कैनेडियन, यू.एस. एवं लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इण्टरनेशनल स्टडीज)
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014
www.mpm.ac.in mpmpg5@gmail.com

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

Changing Dimensions of Indian Foreign Policy : 2019 – Till Now

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081, तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024 ई.

कार्यक्रम विवरण

शनिवार, 7 सितम्बर 2024

पंजीकरण	प्रात: 08:30 बजे से	मुख्य द्वार (नियन्ता कार्यालय)
चाय-जलपान	प्रात: 08:30 से 09:30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
उद्घाटन	प्रात: 11:00 से 12:30 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
भोजन	दोपहर 12:30 से 01:00 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
प्रथम तकनीकी सत्र	अपराह्न 01:30 से 02:45 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
चाय	अपराह्न 02:45 से 03:15 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
द्वितीय तकनीकी सत्र	अपराह्न 03:15 से 04:30 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
स्वल्पाहार	सायं 04:30 से 05:00 बजे	विज्ञान भवन के पीछे

रविवार, 8 सितम्बर 2024

तृतीय तकनीकी सत्र	प्रात: 09:30 से 10:45 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
चाय	प्रात: 10:45 से 11:15 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
चतुर्थ तकनीकी सत्र	प्रात: 11:15 से 12:30 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
भोजन	अपराह्न 12:30 से 01:30 बजे	विज्ञान भवन के पीछे
समारोप	अपराह्न 01:00 से 03:30 बजे	श्रीराम सभागार (द्वितीय तल)
स्वल्पाहार	सायं 03:30 बजे से	विज्ञान भवन के पीछे

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज

जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014

www.mpm.ac.in mpmpg5@gmail.com

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

उद्घाटन समारोह

07 सितम्बर, 2024, प्रातः 11.00–12.30 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	प्रो. कविता शाह माननीय कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर
मुख्य अतिथि	:	प्रो. तेज प्रताप सिंह आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग एवं समन्वयक पं. दीनदयाल शोधपीठ, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
विशिष्ट अतिथि	:	डॉ. एफ.आर.सिद्दीकी प्रतिनिधि, इण्डियन कान्उसिंल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, नई दिल्ली
स्वागत प्रस्ताविकी एवं आभार	:	श्रीमती शिप्रा सिंह उप–प्राचार्य, महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालक	:	श्री हरिकेश यादव अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी., कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

उद्घाटन समारोह

07 सितम्बर, 2024, प्रातः 11.00–12.15 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन	:	11:00
सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत	:	11:00 – 11:04
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	11:04 – 11:10
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान (उप–प्राचार्य द्वारा)	:	11:10 – 11:11
स्वागत, प्रस्ताविकी एवं आभार (उप–प्राचार्य द्वारा)	:	11:11 – 11:16
कुलगीत (महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद कुलगीत)	:	11:16 – 11:20
उद्बोधन – विशिष्ट अतिथि	:	11:20 – 11:30
एकल गीत (निर्माणों के पावन युग में...)	:	11:30 – 11:32
उद्बोधन – मुख्य अतिथि	:	11:32 – 11:52
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	11:52 – 12:12
वन्देमातरम्	:	12:12 – 12:15

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

प्रथम तकनीकी सत्र

07 सितम्बर, 2024, अपराह्न 01.30–02.45 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष : श्री इन्द्रेश कुमार, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

सह अध्यक्ष : डॉ. प्रतीक कुमार सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, नई दिल्ली

विषय विशेषज्ञ : डॉ. जितेन्द्र मिश्रा, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर

संचालक : डॉ. सुधा शुक्ल, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रतिवेदक : डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

प्रथम तकनीकी सत्र

07 सितम्बर, 2024, अपराह्न 01.30–02.45 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण	:	01:30
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	01:30 – 01:34
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान	:	01:34 – 01:35
उद्बोधन – विषय विशेषज्ञ	:	01:35 – 01:50
शोध पत्र वाचन	:	01:50 – 02:10
उद्बोधन (सह–अध्यक्ष)	:	02:10 – 02:25
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	02:25 – 02:45

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

द्वितीय तकनीकी सत्र

07 सितम्बर, 2024, अपराह्न 03.15–04.30 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	डॉ. अमित उपाध्याय, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
सह अध्यक्ष	:	डॉ. कन्हैया सिंह, प्राचार्य भगवंत पटेल पानमती देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चन्दरपुर, महराजगंज
विषय विशेषज्ञ	:	डॉ. कृष्ण कुमार, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग राजकीय महाविद्यालय, सुकरौली, कुशीनगर
संचालक	:	डॉ. आरती सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
प्रतिवेदक	:	डॉ. रमाकान्त दूबे, अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

द्वितीय तकनीकी सत्र

07 सितम्बर, 2024, अपराह्न 03.15–04.30

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण	:	03:15
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	03:15 – 03:19
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान	:	03:19 – 03:20
उद्बोधन – विषय विशेषज्ञ	:	03:20 – 03:35
शोध पत्र वाचन	:	03:35 – 03:55
उद्बोधन (सह–अध्यक्ष)	:	03:55 – 04:10
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	04:10 – 04:30

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

तृतीय तकनीकी सत्र

08 सितम्बर, 2024, पूर्वाह्न 09.30–10.45 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	डॉ. महेन्द्र कुमार सिह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
सह अध्यक्ष	:	डॉ. संजय तिवारी, सहायक आचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
विषय विशेषज्ञ	:	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर
संचालक	:	श्री अभिनव त्रिपाठी, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
प्रतिवेदक	:	डॉ. दीपशिखा नागवंशी, सहायक आचार्य, गृह विज्ञान विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

तृतीय तकनीकी सत्र

08 सितम्बर, 2024, पूर्वाह्न 09.30–10.45 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण	:	09:30
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	09:30 – 09:34
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान	:	09:34 – 09:35
उद्‌बोधन – विषय विशेषज्ञ	:	09:35 – 09:50
शोध पत्र वाचन	:	09:50 – 10:10
उद्‌बोधन (सह–अध्यक्ष)	:	10:10 – 10:25
अध्यक्षीय उद्‌बोधन	:	10:25 – 10:45

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

चतुर्थ तकनीकी सत्र

08 सितम्बर, 2024, पूर्वाह्न 11.15–12.30 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	प्रो. घनश्याम शर्मा, पूर्व एमेरिट्स, राजनीति विज्ञान विभाग एवं मानवाधिकार विभाग, इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, म.प्र.
सह अध्यक्ष	:	डॉ. सतीश कुमार सिंह, सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास विभाग सन्त तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कादीपुर, सुल्तानपुर
विषय विशेषज्ञ	:	श्री कीर्ति कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग सन्त तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कादीपुर, सुल्तानपुर
संचालक	:	डॉ. अर्चना गुप्ता, सहायक आचार्य, इतिहास विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
प्रतिवेदक	:	सुश्री रीतिका त्रिपाठी, सहायक आचार्य, गृह विज्ञान विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

चतुर्थ तकनीकी सत्र

08 सितम्बर, 2024, पूर्वाह्न 11.15–12.30 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण	:	11:15
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	11:15 – 11:19
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान	:	11:19 – 11:20
उद्बोधन – विषय विशेषज्ञ	:	11:20 – 11:35
शोध पत्र वाचन	:	11:35 – 11:55
उद्बोधन (सह–अध्यक्ष)	:	11:55 – 12:10
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	12:10 – 12:30

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत् 2081; तद्नुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

समापन समारोह

08 सितम्बर, 2024 अपराह्न 02.00–03.30 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	ले.जन.(से.नि.) आर.पी.शाही *(ए.वी.एस.एम)* पूर्व उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ
मुख्य अतिथि	:	श्री मंजीव पुरी पूर्व राजदूत–नेपाल, बेल्जियम, लक्जमबर्ग एवं यूरोपीय संघ, नई दिल्ली
विशिष्ट अतिथि	:	प्रो. अरविन्द कुमार सेन्टर फॉर कैनेडियन, यू.एस.एवं लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इण्टरनेशनल स्टडीज) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
अतिथि स्वागत एवं आभार	:	डॉ. प्रदीप कुमार राव प्राचार्य, महाराणा प्रताप पी.जी., कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
प्रतिवेदक	:	श्री हरिकेश यादव अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी., कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालक	:	डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप पी.जी., कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

एवं

राजनीति विज्ञान विभाग

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक

विषयक

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी एवं पंचमी, संवत 2081; तदनुसार 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा आयोजित

समापन समारोह

08 सितम्बर, 2024 अपराह्न 02.00–03.30 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन	:	02:00
सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत	:	02:00 – 02:04
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	02:04 – 02:08
स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथि का सम्मान (प्राचार्य द्वारा)	:	02:08 – 02:09
अतिथि स्वागत एवं आभार (प्राचार्य द्वारा)	:	02:09 – 02:15
कुलगीत (महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद कुलगीत)	:	02:15 – 02:19
संगोष्ठी प्रतिवेदन	:	02:19 – 02:25
उद्बोधन – विशिष्ट अतिथि	:	02:25 – 02:40
संकल्प गीत (शत्–शत् नमन भरत भूमि को...)	:	02:40 – 02:42
उद्बोधन – मुख्य अतिथि	:	02:42 – 03:12
अध्यक्षीय उद्बोधन	:	03:12 – 03:27
वन्देमातरम्	:	03:27 – 03:30

हिन्दुस्तान
गोरखपुर, शनिवार, 7 सितंबर 2024 05

विदेश नीति के महत्वपूर्ण पहलूओं पर मंथन आज

गोरखपुर, निज संवाददाता। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में भारतीय विदेश नीति के बदलते आयामः 2019 से अब तक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार को सुबह 11 बजे से होगा। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बीएचयू में पंडित दीनदयाल पीठ के समन्वयक प्रो. तेज प्रताप सिंह उपस्थित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स सप्रू हाउस, नई दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. एफआर सिद्दीकी मौजूद रहेंगे। संगोष्ठी में देशभर के शिक्षाविद एवं प्रमुख विद्वान अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

अमर उजाला
amarujala.com
गोरखपुर | शनिवार, 7 सितंबर 2024 10

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयामः 2019 से अब तक' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार को सुबह 11 बजे से होगा।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बीएचयू में पंडित दीनदयाल पीठ के समन्वयक प्रो. तेज प्रताप सिंह उपस्थित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स सप्रू हाउस, नई दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. एफआर सिद्दीकी मौजूद रहेंगे। संगोष्ठी में देशभर के शिक्षाविद् एवं प्रमुख विद्वान अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। संयोजक एवं राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने बताया कि संगोष्ठी की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। संवाद

2019 के बाद की विदेश नीति ने बनाया भारत को प्रगतिशील – प्रो. तेज प्रताप सिंह

गोरखपुर, 7 सितंबर । समन्वयक, पं. दीनदयाल शोध पीठ काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. तेज प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति का लक्ष्य राष्ट्रीय हित है और राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने में विदेश नीति एक महत्वपूर्ण साधन है। पहले भारत में गुटनिरपेक्ष की नीति रहती थी परन्तु अब मुद्दों पर आधारित सहयोग की संकल्पना पर हम काम करते हैं जिसका परिणाम यह है कि हम शत्रु के साथ भी समझौता कर सकते है। उदाहरण स्वरूप हम चीन के साथ विश्व व्यापार संगठन, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दो पर एक साथ रहते हैं। प्रो. सिंह शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम = 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग तथा भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली की तरफ से आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, हम बिना किसी दबाव के रूस से तेल आयात कर रहे हैं तथा ईरान के चाबहार बन्दरगाह को संचालित कर रहे है। पूर्व में जहाँ नेहरू की विदेश नीति पंचशील पर आधारित थी वहीं प्रधानमंत्री मोदी जी की विदेश नीति पंचामृत पर आधारित है जो 2019 से अबतक विदेश नीति के प्रगतिशील पक्ष की परिचायक है।

भारतीय विदेश नीति, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में प्रगाढ़ता का परिचायक – **प्रो. कविता शाह**– राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की प्रो. कविता शाह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति की संकल्पना 'वसुधैव कुटुम्बकम' में है। जब भारत जी–20 की अध्यक्षता कर रहा था तो यह हमारे विदेश नीति की सफलता थी कि हम विश्व के सभी देशों का नेतृत्व कर रहे थे। भारत ने जी–20 के द्वारा अपने प्रगतिशील विचारो से विश्व को अवगत कराया। भारतीय विदेश नीति में 2019 से अब तक जो परिवर्तन आये हैं उनमें अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों मे सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, मजबूत अर्थ व्यवस्था के रूप मे दिखायी देती है। प्रो. शाह ने यह भी कहा कि प्राचीन काल से पूरी दुनिया में भारत की एक अलग पहचान थी।

भारतीय विदेश नीति, भारत का ही नही बल्कि एशिया का मार्गदर्शक – **डॉ. एफ. आर. सिद्दीकी**–संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिनिधि, इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, नई दिल्ली के डॉ. एफ. आर. सिद्दीकी ने भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में बताते हुए कहा कि भारतीय विदेश मंत्रालय, विदेश नीति का निर्माता है। इसके अतिरिक्त भारतीय वैश्विक परिषद भारत का ही नही बल्कि एशिया का प्रथम थिंक टैंक है। इस परिषद में विभिन्न क्षेत्रो के विद्वानों द्वारा अनुसंधान होता है। भारतीय वैश्विक परिषद में चीन से लेकर मलेशिया तक के राष्ट्राध्यक्षों को अपने कार्यक्रम में सम्मिलित कर चुका है। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के सह–संयोजक, महाराणा प्रताप महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रमुख विद्वान, शोधार्थी शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

❖ महाराणा प्रताप महाविद्यालय में भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम 2019 से अबतक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

मोदी सरकार स्थिर और मजबूत विदेश नीति के दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक – **इन्देश कुमार**– संगोष्ठी में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष इन्देश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र में भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम से सम्बन्धित कई शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सत्र की अध्यक्षता करते हुए इन्देश कुमार ने कहा कि 2019 के बाद भारतीय विदेश नीति के समग्र अध्ययन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मोदी सरकार स्थिर और मजबूत विदेश नीति के दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस सत्र के विषय विशेषज्ञ खुद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेन्द्र मिश्र ने कहा भारत जब आजाद हुआ तो नेहरू जी ने आदर्शवादी, गुटनिरपेक्ष विदेशी नीति अपनायी जबकि मोदी शासन ने अपने विदेश नीति में यर्थाथवाद पर बल दिया। भारतीय विदेश नीति पारम्परिक व गैर पारम्परिक मुद्दो पर भी ध्यान आकृष्ट करने के साथ अन्तर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों को भी महत्व दिया है। सह–अध्यक्षता मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, नई दिल्ली के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रतीक कुमार सिंह ने किया। डॉ. सिंह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति कठोर एवं लचीली दोनो है जो वर्तमान में अग्रणी शक्ति के रूप मे वैश्विक एजेण्डा तैयार कर रही है। प्रतिवेदक की भूमिका महाविद्यालय के समाज शास्त्र के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने निभाया जबकि संचालन, हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया। तकनीकी सत्र में रवि प्रताप नागवंशी, रुरुति पाण्डेय, अभिषेक सिंह, श्रीवर्धन त्रिपाठी, श्वेता शर्मा, निमिष सिंह, शीलू मिश्रा इत्यादि ने अपना शोधपत्र वाचन किया।

भारतीय विदेश नीति की तरफ दुनिया की नजर –**डॉ. अमित उपाध्याय**–दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने किया। डॉ. उपाध्याय ने कहा 2019के बाद भारतीय विदेश नीति की तरफ दुनिया की नजर है क्योंकि अब हम फार्मेसी, इनोवेशन और शोध में दुनिया में मानक स्थापित किए है। मोदी के नेतृत्व में भारत अधिक व्यापक रूप में ''ग्लोबल साउथ'' मे शामिल हुआ है। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ राजकीय महाविद्यालय, सुकरौली कुशीनगर में राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि मोदी सरकार की विदेश नीति 2019 के बाद भारतीय जनमानस में व्यापक परिवर्तन दिखायी दिया है और इसके ठोस वित्तीय लाभ हम सब को प्राप्त हुए है। प्रतिवेदक की भूमिका महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमाकान्त दूबे ने निभाया जबकि संचालन, हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. दीपशिखा नागवंशी, अनु सिंह, आकाश गुप्ता, आसना सिंह एवं विवेक कुमार गुप्ता सहित शोधार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने शोधपत्रो को प्रस्तुत किया।

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, रविवार, 8 सितंबर 2024
05

प्राचीन काल से भारत की दुनिया में है अलग पहचान : प्रो. कविता शाह

संगोष्ठी

- एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
- राष्ट्रीय हितों की प्राप्ति में विदेश नीति महत्वपूर्ण साधन : प्रो. टीपी सिंह
- भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

गोरखपुर, निज संवाददाता। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की प्रो. कविता शाह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति की संकल्पना 'वसुधैव कुटुम्बकम' में है। प्राचीन काल से पूरी दुनिया में भारत की एक अलग पहचान थी। भारत पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करते हुए विश्व गुरु रहा है और भविष्य में भी विश्वगुरु रहेगा।

प्रो. कविता शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश नीति में 2019 से अब तक जो परिवर्तन आए हैं उनमें अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सुदृढ़ीकरण, एनईपी का क्रियान्वयन, मजबूत अर्थ व्यवस्था के रूप मे दिखाई देती है।

मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल शोध पीठ के समन्वयक व राजनीति विज्ञान के प्रो. तेज प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति का लक्ष्य राष्ट्रीय हित है और राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने में विदेश नीति एक महत्वपूर्ण साधन है। पहले भारत में गुटनिरपेक्ष की नीति रहती थी लेकिन अब मुद्दों पर आधारित सहयोग की संकल्पना पर हम काम करते हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, नई दिल्ली के डॉ एफआर सिद्दीकी ने भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कॉलेज की उप प्राचार्य शिप्रा सिंह ने कहा कि इस संगोष्ठी में देश भर के विद्वानों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। संचालन हरिकेश यादव ने किया।

तकनीकी सत्रों का भी हुआ आयोजन : संगोष्ठी के तहत प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष इन्द्रेश कुमार ने की। दूसरे सत्र की अध्यक्षता डीडीयू में राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ अमित उपाध्याय ने की। इन सत्रों को डॉ. प्रतीक सिंह, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ रमाकान्त दूबे व डॉ आरती सिंह ने भी संबोधित किया।

अमर उजाला
गोरखपुर | रविवार, 8 सितंबर 2024
7

प्राचीन काल से भारत की दुनिया में रही है अलग पहचान : प्रो. शाह

गोरखपुर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति की संकल्पना 'वसुधैव कुटुम्बकम' में है। प्राचीन काल से पूरी दुनिया में भारत की एक अलग पहचान थी। भारत पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करते हुए विश्व गुरु रहा है और भविष्य में भी विश्वगुरु रहेगा।

प्रो. कविता शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश नीति में जो परिवर्तन आए हैं, उनमें अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सुदृढ़ीकरण, एनईपी का क्रियान्वयन, मजबूत अर्थ व्यवस्था के रूप में दिखाई देती है।

मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल शोध पीठ के समन्वयक प्रो. तेज प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति का लक्ष्य राष्ट्रीय हित है और राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने में विदेश नीति एक महत्त्वपूर्ण साधन है। संवाद

प्राचीन काल से भारत की दुनिया में अलग पहचान : प्रो. कविता

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

गोरखपुर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति की संकल्पना 'वसुधैव कुटुम्बकम' में है। प्राचीन काल से पूरी दुनिया में भारत की एक अलग पहचान थी। भारत पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करते हुए विश्व गुरु रहा है और भविष्य में भी विश्वगुरु रहेगा।

प्रो. कविता शनिवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि भारतीय विदेश नीति में जो परिवर्तन आए हैं, उनमें अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सुदृढ़ीकरण, एनईपी का क्रियान्वयन, मजबूत अर्थ व्यवस्था के रूप में दिखाई देती है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मंचासीन मुख्य अतिथि प्रो. तेज प्रताप सिंह, प्रो कविता शाह, डॉ शिप्रा सिंह, डॉ एफ आर सिद्दीकी, हरिकेश यादव।

मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल शोध पीठ के समन्वयक प्रो. तेज प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय विदेश नीति का लक्ष्य राष्ट्रीय हित है और राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने में विदेश नीति एक महत्वपूर्ण साधन है। पहले भारत में गुटनिरपेक्ष की नीति रहती थी, लेकिन अब मुद्दों पर आधारित सहयोग की संकल्पना पर हम काम करते हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, सप्रू हाउस, नई दिल्ली के डॉ. एफआर सिद्दीकी ने भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कॉलेज की उप प्राचार्य शिप्रा सिंह ने कहा कि इस संगोष्ठी में देश भर के विद्वानों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। संचालन हरिकेश यादव ने किया।

तकनीकी सत्रों का भी हुआ आयोजन

प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष इन्द्रेश कुमार ने किया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता डीडीयू में राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने की। इन सत्रों को डॉ. प्रतीक सिंह, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, डॉ. सुधा शुक्ला, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ. रमाकान्त दूबे व डॉ. आरती सिंह ने भी संबोधित किया।

शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और स्पेशल एजुकेटर को उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रमाण पत्र एवं अंग वस्त्र देकर किया गया सम्मानित

दैनिक जागरण
गोरखपुर,9 सितंबर, 2024
www.jagran.com

भारत में विश्व को अपने अनुरूप संचालित करने की क्षमता

- महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन
- इंडिया फर्स्ट के उद्देश को केंद्र में रख कर आगे बढ़ रही है भारत की विदेश नीति : आरपी शाही

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के राजदूत रह चुके मंजीव पुरी का कहना है कि भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है कि कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ नहीं करा सकता। आज का भारत किसी भी देश की धमकियों की परवाह नहीं करता है। इस भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है।

पूर्व राजदूत रविवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले 10 वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते पूर्व राजदूत मंजीव पुरी, मंचासीन डा. आरपी शाही, प्रो. अरविंद कुमार व डा. प्रदीप कुमार राव • सौ. कालेज प्रबंधन

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इसको रोकने की पहल भारत करे। विशिष्ट अतिथि स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज जेएनयू नई दिल्ली के आचार्य प्रो.अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डा.प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की। संचालन डा.सलिल कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर प्रमथनाथ मिश्रा, प्रो.तेज प्रताप सिंह, डा.श्रीभगवान सिंह, डा.अविनाश प्रताप सिंह, डा.सत्यपाल सिंह, डा.आमोद राय, डा.उग्रसेन सिंह आदि मौजूद रहे।

पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने की गुरु गोरक्षनाथ की पूजा

गोरखपुर : नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के राजदूत रहे मंजीव पुरी रविवार को गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने गुरु गोरखनाथ की पूजा-अर्चना की। गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डा.अरविंद चतुर्वेदी ने उन्हें विधि-विधान से दर्शन-पूजन कराया। मुख्य पुजारी योगी कमलनाथ ने उन्हें 'राष्ट्रीयता के अनन्य साधक महंत अवेद्यनाथ' स्मृति ग्रंथ भेंट किया। मंदिर प्रबंधन के लोगों के साथ बातचीत में मंजीव पुरी ने नेपाल में अपने कार्यकाल के दौरान और उस दौर में हुई गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश की यात्रा की स्मृतियां ताजा कीं। इस दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव भी मौजूद रहे।

भारत अपने सकारात्मक विदेश नीति के माध्यम से विश्व में पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित-डा.महेन्द्र कुमार सिंह

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। पं.दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा.महेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत ने अपने विदेश नीति को बहुस्तरीय बनाया है। हम अपने विदेश नीति को किसी के दबाव में नही आकर स्वतंत्र रूप से संचालित करते है। भारत ने अपने विदेश नीति को नैतिक मूल्यों पर आधारित कर 2014 के पश्चात विश्व पटल पर अपनी एक पहचान बनायी है। डा.सिंह रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र में बतौर सत्र अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग तथा भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली की तरफ से आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है जो भारत की सफल विदेश नीति की देन है।

भारत आज पूरे विश्व को यह संदेश दे रहा है कि वो ग्लोबल साउथ को नेतृत्व देने में सक्षम है। भारत की सकारात्मक विदेश नीति भारत को एक सशक्त व सक्षम राष्ट्र के रूप में वैश्विक मंच पर खड़ा करने में सफल रही है। यदि हम रूस के साथ खड़े है तो वहीं यूक्रेन के साथ भी भारत खड़ा रहा है जो हमारे सकारात्मक विदेश नीति का परिचायक है। इस सत्र के विषय विशेषज्ञ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर, कपिलवस्तु के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि किसी भी देश की नीति के दो आयाम होते है, घरेलू एवं विदेश नीति। यदि किसी देश की घरेलू नीति सफल होती है तो विदेश नीति भी निश्चित रूप से सशक्त होगी। 2014 के बाद भारत बदला है, पूर्व में विदेश नीति के अनेक मुद्दे जैसे आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप, दूसरे राष्ट्र पर आक्रमण न करना इत्यादि, केवल सैद्धान्तिक रूप से दिखायी देती थी, वहीं 2014 के बाद ये मुद्दे व्यवहार में परिलक्षित हो रहे है। डॉ. सिंह ने आगे कहा कि भारत की विदेश नीति का ध्येय राष्ट्रीय हितों की रक्षा से है। 2019 के बाद भारत की विदेश नीति प्रभावी विदेश नीति के रूप में उभर कर सामने आयी है। इस बात का प्रमाण भारत का विश्व के अन्य देशों के साथ सकारात्मक सम्बन्ध विकसित करना, जी-20 के सम्मेलन में भारत की प्रतिभागिता से प्राप्त होता है। भारत मानवता के आधार पर भी विदेश नीति का संचालन करता है। पहले भारत एक गरीब देश माना जाता था लेकिन अपनी समझ और प्रभावी विदेश नीति के कारण लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है। विदेश नीति के सम्बन्ध में भारत सरकार ने जो रास्ते दिखाये है वो निश्चित रूप से हम सब के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। सह-अध्यक्षता पं.दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शन शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डा.संजय तिवारी ने किया। डा.तिवारी ने कहा कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्रता प्राप्ति से आज तक ज्ञान प्रणाली पर अवलम्बित है। जहाँ भारतीय ज्ञान प्रणाली सत्य, ज्ञान, तर्क, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और नैतिकता के मूल्यों पर आधारित है वहीं भारत की विदेश नीति देश के हितों को मानवता के साथ संचालित करने पर बल देती है। डा. तिवारी ने आगे कहा कि भारत की विदेश नीति लोक कल्याण पर भी बल देती है, जो 'सत्यमेव जयते' आदर्श वाक्य को चरितार्थ करती है। आज पूरी दुनिया भारत की ज्ञान परम्परा पर आधारित विदेश नीति का लोहा मान चुकी है और जिसका प्रमाण हमारे ज्ञान परम्परा एवं योग को पूरा विश्व अपना रहा है। प्रतिवेदक की भूमिका महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने निभाया जबकि संचालन, राजनीति विभाग के सहायक आचार्य अभिनव त्रिपाठी ने किया। तृतीय तकनीकी सत्र में भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम से सम्बन्धित कई शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डा.आरती सिंह, यशोवर्द्धन भट्ट, आशीष कुमार पाण्डेय एवं सुश्री शीतल सहित शोधार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने शोधपत्रो को प्रस्तुत किया। मोदी के नेतृत्व मे विश्व मे भारतीय विदेश नीति का बढ़ता प्रभाव-प्रो. घनश्याम शर्मा चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इन्दिरा गाँधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के पूर्व एमेरिट्स, राजनीति विज्ञान एवं मानवाधिकार विभाग के प्रो. घनश्याम शर्मा ने किया। प्रो. शर्मा ने कहा कि हम अपने विदेश नीति में आदर्शों, संस्कृति और मूल्यों का समावेश करके आगे बढ़ रहे हैं। आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री के प्रयास से अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धो में बहुत प्रगति व सुधार हुआ है। हमारे प्रधानमंत्री ने न केवल अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के लिए प्रयास किया है बल्कि अपने प्रवासी भारतीयों को भी भारत से जोड़ने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सरकार ने हमारी विदेश नीति और कूटनीतिक पहुँच को विशेष महत्व प्रदान किया है। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कादीपुर, सुल्तानपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री कीर्ति कुमार पाण्डेय ने कहा कि आज भारत की विदेश नीति कार्यवाही पद्धति पर कार्य कर रही है। हमारे कार्य करने के तरीके में 2019 के बाद काफी बदलाव आया है।

हमारी नीतियाँ परिस्थितियों के अनुसार बदली है किन्तु हमारे लक्ष्य और उद्देश्य नही बदले है। श्री पाण्डेय ने आगे कहा कि आर्थिक विकास भारत के विदेश नीति के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वर्तमान सरकार ने बहुआयामी दृष्टिकोण को अपनाया है। पूर्व में जहाँ हम विदेश नीति को समाजवाद के रूप में अपनाये थे वहीं आज हमारी विदेश नीति उदारवादी दृष्टिकोण पर आधारित है। मोदी सरकार की विदेश नीति 2019 के बाद भारतीय जनमानस में व्यापक परिवर्तन दिखायी दिया है और इसके ठोस आर्थिक लाभ हम सब को प्राप्त हुए है। सह-अध्यक्षता संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कादीपुर, सुल्तानपुर के प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सतीश कुमार सिंह ने किया। डॉ. सिंह ने कहा कि मोदी सरकार विदेश नीति में एक नया शब्द "डिप्लोमेसी फॉर डेवलपमेण्ट" दिया जो एक गतिशील विदेश नीति को दर्शाता है। दुनिया में आज भारत की स्थिति नियम बनाने वाले देशो में है, ना कि केवल नियमों का पालन करने वाले देशो में है। आज हम भारतीय विदेश नीति के माध्यम से ग्लोबल गवर्नेंस में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहें है। भारत ने जी-20 का सफलतापूर्वक आयोजन कर अपनी नेतृत्व क्षमता से पूरे विश्व को प्रभावित किया है। यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा से हमारे यू.पी.आई. को फ्रांस, यू.ए.ई, भूटान, मालद्वीप आदि देशो ने अपनाया है, जो वर्तमान सरकार की विदेश नीति का सफलतम् उदाहरण है। सत्र में प्रतिवेदक की भूमिका महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने निभाया जबकि संचालन, इतिहास विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती अर्चना गुप्ता ने किया। इस अवसर पर नन्दन शर्मा, श्रीमती दिव्या दूबे, अभिषेक त्रिपाठी, अमित साहनी, अजय प्रताप सिंह, सुश्री सोनम सिंह एवं वर्तिका यादव सहित शोधार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने शोधपत्रो को प्रस्तुत किया।

◆महाराणा प्रताप महाविद्यालय में भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम 2019 से अब तक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का दूसरा दिन
◆तृतीय एवं चतुर्थ तकनीकी सत्रों में शोध पत्रों का वाचन एवं गहन विमर्श

भारत में विश्व को अपने अनुरूप संचालित करने की क्षमता

- महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन
- इंडिया फर्स्ट के उद्देश को केंद्र में रख कर आगे बढ़ रही है भारत की विदेश नीति : आरपी शाही

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के राजदूत रह चुके मंजीव पुरी का कहना है कि भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है कि कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ नहीं करा सकता। आज का भारत किसी भी देश की धमकियों की परवाह नहीं करता है। इस भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है।

पूर्व राजदूत रविवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले 10 वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते पूर्व राजदूत मंजीव पुरी, मंचासीन डा. आरपी शाही, प्रो. अरविंद कुमार व डा. प्रदीप कुमार राव • सौ. कालेज प्रबंधन

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इसको रोकने की पहल भारत करे। विशिष्ट अतिथि स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज जेएनयू नई दिल्ली के आचार्य प्रो.अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डा.प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की। संचालन डा.सलिल कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर प्रमथनाथ मिश्रा, प्रो.तेज प्रताप सिंह, डा.श्रीभगवान सिंह, डा.अविनाश प्रताप सिंह, डा.सत्यपाल सिंह, डा.आमोद राय, डा.उग्रसेन सिंह आदि मौजूद रहे।

पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने की गुरु गोरक्षनाथ की पूजा

गोरखपुर : नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के राजदूत रहे मंजीव पुरी रविवार को गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने गुरु गोरखनाथ की पूजा-अर्चना की। गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डा.अरविंद चतुर्वेदी ने उन्हें विधि-विधान से दर्शन-पूजन कराया। मुख्य पुजारी योगी कमलनाथ ने उन्हें 'राष्ट्रीयता के अनन्य साधक महंत अवेद्यनाथ' स्मृति ग्रंथ भेंट किया। मंदिर प्रबंधन के लोगों के साथ बातचीत में मंजीव पुरी ने नेपाल में अपने कार्यकाल के दौरान और उस दौर में हुई गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश की यात्रा की स्मृतियां ताजा कीं। इस दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव भी मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव

गोरखपुर, निज संवाददाता। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है। जिसकी जितनी जीडीपी, वह उतना अधिक शक्तिशाली। इस फॉर्मूले पर भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता है। भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है कि आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ नहीं करा सकता।

अध्यक्षता करते हुए उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। पाकिस्तान के खिलाफ जब सर्जिकल स्ट्राइक की गई तब भारत की कूटनीति इतनी शानदार थी कि किसी भी ताकतवर देश ने भारत के खिलाफ प्रतिक्रिया करने का साहस नहीं किया।

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में संगोष्ठी में बोलते पूर्व राजदूत मंजीव पुरी।

विशिष्ट अतिथि जेएनयू, नई दिल्ली के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि भारत को अपने पड़ोस में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चुनौतियों के अनुरूप ही भारत ने अपनी विदेश नीति और कूटनीति (डिप्लोमेसी) में परिवर्तन किया है। चीन की विस्तारवादी नीतियों को करारा जवाब देते हुए भारत ने उसे पिछले कुछ सालों में टेबल टाक (संवाद) के लिए विवश किया है।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर हरिकेश यादव, डॉ. सलिल पांडेय, प्रमथनाथ मिश्र, प्रो. तेज प्रताप सिंह, डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. आमोद राय, डॉ. उग्रसेन सिंह, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

विदेश नीति में आगे बढ़ रहा भारत : प्रो. घनश्याम

गोरखपुर। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के राजनीति विज्ञान एवं मानवाधिकार विभाग के पूर्व एमेरिट्स प्रो. घनश्याम शर्मा ने कहा कि हम विदेश नीति में आदर्शों, संस्कृति और मूल्यों का समावेश कर आगे बढ़ रहे हैं। विषय विशेषज्ञ संत तुलसीदास पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर के राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष कीर्ति पाण्डेय ने आर्थिक विकास भारत के विदेश नीति के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में एक है।

पूर्व राजदूत ने गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया

गोरखपुर, निज संवाददाता। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के राजदूत रहे मंजीव पुरी ने रविवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में भाग लेने के बाद गोरखनाथ मंदिर का दौरा किया। उन्होंने मुख्य मंदिर में बाबा गोरखनाथ के सामने मत्था टेका और संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. अरविंद चतुर्वेदी के माध्यम से विधिवत दर्शन-पूजन कराया।

मंदिर प्रबंधन ने पूर्व राजदूत का स्वागत किया और मुख्य पुजारी कमलनाथ ने उन्हें 'राष्ट्रीयता के अनन्य साधक महंत अवेद्यनाथ' स्मृति ग्रंथ भेंट किया। मंजीव पुरी ने मंदिर का प्रसाद ग्रहण किया और नेपाल में अपने कार्यकाल के दौरान गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश की यात्रा की यादें ताजा कीं। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप राव भी मौजूद रहे।

पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने गोरखनाथ मंदिर में किया दर्शन-पूजन।

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव पुरी

एमपीपीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता। भारत की विदेश नीति सशक्त हो चुकी है। लिहाजा आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ भी नहीं करा सकता।

मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी (एमपीपीजी) कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है।

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते मंजीव पुरी साथ में प्राचार्य डॉक्टर प्रदीप राव व अन्य। संवाद

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इस टकराव को रोकने की पहल भारत करे।

विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) जेएनयू नई दिल्ली के प्रो. अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। अतिथियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

सत्रों की रिपोर्ट महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने किया।

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : पुरी

- इंडिया फर्स्ट की भावना से परिपूर्ण है भारत की विदेश नीति : शाही
- एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोठी का समापन

स्वतंत्र वेतना

कार्यालय संवाददाता/ गोरखपुर। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता है। भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ लोग करा सकता।

मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी (एमपीपीजी) कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित ह्यभारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तकह्न विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह (समारोप) को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ दोतरफा संवाद करने के अंदाज में श्री पुरी ने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले दस वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इस टकराव को रोकने की पहल भारत करे। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद भारत की विदेश नीति में बहुत प्रभावी परिवर्तन देखने को मिला है। आज देश का नेतृत्व इंडिया फर्स्ट की भावना से सभी देशों से संवाद की भूमिका में रहता है। विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि भारत को अपने पड़ोस में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चुनौतियों के अनुरूप ही भारत ने अपनी विदेश नीति और कूटनीति (डिप्लोमेसी) में परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि हाल के कुछ सालों में भारत ने अपनी पोलिटिकल डिप्लोमेसी को इकोनॉमिकल डिप्लोमेसी की तरफ शिफ्ट किया है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। दो दिन तक चली संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की जबकि संचालन सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर प्रमथनाथ मिश्र, प्रो. तेज प्रताप सिंह, डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. आमोद राय, डॉ. उग्रसेन सिंह, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता- मंजीव पुरी

गोरखपुर, 8 सितंबर। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता है। भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ लोग करा सकता।

मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी (एमपीपीजी) कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम 2019 से अब तक' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह (समारोप) को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ दोतरफा संवाद करने के अंदाज में श्री पुरी ने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले दस वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन

प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इस टकराव को रोकने की पहल भारत करे। समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। दो दिन तक चली संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की जबकि संचालन सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने किया।

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव पुरी

संवाददाता

- इंडिया फर्स्ट की भावना से परिपूर्ण है भारत की आज की विदेश नीतिः आरपी शाही'
- पोलिटिकल डिप्लोमेसी को इकोनॉमिकल डिप्लोमेसी की तरफ शिफ्ट किया भारत ने : प्रो. अरविंद कुमार'
- एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में 'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन'

गोरखपुर। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता है। भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ लोग करा सकता।

मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी (एमपीपीजी) कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह (समारोप) को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ दोतरफा संवाद करने के अंदाज में श्री पुरी ने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले दस वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है। जिसकी जितनी जीडीपी, वह उतना अधिक शक्तिशाली। इस फॉर्मूले पर भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि 2023 में दुनिया के 20 बड़े और प्रभावशाली देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व करके यह दिखा दिया है कि उसका सामर्थ्य क्या है। श्री पुरी ने कहा कि तेजी से बदलता और वैश्विक परिदृश्य पर आगे बढ़ता भारत पूरी दुनिया को नेतृत्व देने को तैयार है और इसमें विगत कुछ सालों से बेहद असरदार साबित हुई भारत की विदेश नीति और कूटनीति का महत्वपूर्ण योगदान है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इस टकराव को रोकने की पहल भारत करे। श्री शाही ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जब सर्जिकल स्ट्राइक की गई तब भारत की कूटनीति इतनी शानदार थी कि किसी भी ताकतवर देश ने भारत के खिलाफ प्रतिक्रिया करने का साहस नहीं किया। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद भारत की विदेश नीति में बहुत प्रभावी परिवर्तन देखने को मिला है। आज देश का नेतृत्व इंडिया फर्स्ट की भावना से सभी देशों से संवाद की भूमिका में रहता है। किसी भी देश में यदि भारतीयों पर संकट आता है तो उन्हें सुरक्षित निकालने की त्वरित पहल की जाती है। आज भारतीय विदेश नीति एकदम स्पष्ट है कि देश के हित में जो भी सर्वोत्तम होगा, हम उसे करेंगे। श्री शाही ने कहा कि आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन चुका है।

समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत को अपने पड़ोस में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चुनौतियों के अनुरूप ही भारत ने अपनी विदेश नीति और कूटनीति (डिप्लोमेसी) में परिवर्तन किया है। चीन की विस्तारवादी नीतियों को करारा जवाब देते हुए भारत ने उसे पिछले कुछ सालों में टेबल टाक (संवाद) के लिए विवश किया है। प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि वास्तव में भारत विश्व को परिवार मानता है और विश्व शांति की बात करता है। इसकी झलक उसकी विदेश नीति में भी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि हाल के कुछ सालों में भारत ने अपनी पोलिटिकल डिप्लोमेसी को इकोनॉमिकल डिप्लोमेसी की तरफ शिफ्ट किया है। वैश्विक महामारी कोविड के दौर में भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी ने तो विश्व समुदाय के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई। तमाम उद्धरणों का हवाला देकर उन्होंने बताया कि आज भारत अमेरिका और रूस जैसे ताकतवर देशों से 'बारगेनिंग' करने की स्थिति में है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। दो दिन तक चली संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की जबकि संचालन सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर प्रमथनाथ मिश्र, प्रो. तेज प्रताप सिंह, डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. आमोद राय, डॉ. उदसेन सिंह, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता : मंजीव पुरी

- इंडिया फर्स्ट की भावना से परिपूर्ण है भारत की आज की विदेश नीति : आरपी शाही
- पोलिटिकल डिप्लोमेसी को इकोनॉमिकल डिप्लोमेसी की तरफ शिफ्ट किया भारत ने : प्रो. अरविंद कुमार
- एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में ह्यभारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तकह्न विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

मंजीत कुमार

गोरखपुर। नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ने कहा कि आज के भारत में विश्व को अपने अनुरूप चलाने की क्षमता है। आज का भारत किसी भी देश की घुड़कियों या धमकियों की परवाह नहीं करता है। भारत की विदेश नीति इतनी सशक्त हो चुकी है आज के दौर में कोई भी देश भारत पर दबाव बनाकर कुछ लीग करा सकता। मंजीव पुरी रविवार को महाराणा प्रताप पीजी (एमपीपीजी) कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित ह्यभारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तकह्न विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह (समारोप) को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ दोतरफा संवाद करने के अंदाज में श्री पुरी ने कहा कि विदेश नीति के मुद्दे पर देश में मजबूती और बदलाव का यह दौर पिछले दस वर्षों में सशक्त नेतृत्व के चलते आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के मजबूत होने के लिए आर्थिक मजबूती बहुत जरूरी है। वैश्विक स्तर पर धाक जमाने में मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा योगदान है। जिसकी जितनी जीडीपी, वह उतना अधिक शक्तिशाली। इस फॉर्मूले पर भारत 3.7 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि 2023 में दुनिया के 20 बड़े और प्रभावशाली देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व करके यह दिखा दिया है कि उसका सामर्थ्य क्या है। श्री पुरी ने कहा कि तेजी से बदलता और वैश्विक परिदृश्य पर आगे बढ़ता भारत पूरी दुनिया को नेतृत्व देने को तैयार है और इसमें विगत कुछ सालों से बेहद असरदार साबित हुई भारत की विदेश नीति और कूटनीति का महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) आरपी शाही ने कहा कि विगत कुछ सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को समयानुकूल और त्वरित प्रतिक्रियावादी बनाया है। यही वजह है कि आज जब दुनिया के किन्हीं भी दो देशों के बीच टकराव की स्थिति आती है तो पूरा विश्व चाहता है कि इस टकराव को रोकने की पहल भारत करे। श्री शाही ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जब सर्जिकल स्ट्राइक की गई तब भारत की कूटनीति इतनी शानदार थी कि किसी भी ताकतवर देश ने भारत के खिलाफ प्रतिक्रिया करने का साहस नहीं किया। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद भारत की विदेश नीति में बहुत प्रभावी परिवर्तन देखने को मिला है। आज देश का नेतृत्व इंडिया फर्स्ट की भावना से सभी देशों से संवाद की भूमिका में रहता है। किसी भी देश में यदि भारतीयों पर संकट आता है तो उन्हें सुरक्षित निकालने की त्वरित पहल की जाती है। आज भारतीय विदेश नीति एकदम स्पष्ट है कि देश के हित में जो भी सर्वोत्तम होगा, हम उसे करेंगे। श्री शाही ने कहा कि आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन चुका है। समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज (स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज) जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर अरविंद कुमार ने भारत की विदेश नीति में आए क्रमिक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत को अपने पड़ोस में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चुनौतियों के अनुरूप ही भारत ने अपनी विदेश नीति और कूटनीति (डिप्लोमेसी) में परिवर्तन किया है। चीन की विस्तारवादी नीतियों को करारा जवाब देते हुए भारत ने उसे पिछले कुछ सालों में टेबल टाक (संवाद) के लिए विवश किया है। प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि वास्तव में भारत विश्व को परिवार मानता है और विश्व शांति की बात करता है। इसकी झलक उसकी विदेश नीति में भी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि हाल के कुछ सालों में भारत ने अपनी पॉलिटिकल डिप्लोमेसी को इकोनॉमिकल डिप्लोमेसी की तरफ शिफ्ट किया है। वैश्विक महामारी कोविड के दौर में भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी ने तो विश्व समुदाय के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई। तमाम उद्धरणों का हवाला देकर उन्होंने बताया कि आज भारत अमेरिका और रूस जैसे ताकतवर देशों से ह्यबारगेनिंगह्न करने की स्थिति में है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। दो दिन तक चली संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की रिपोर्ट महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने प्रस्तुत की जबकि संचालन सहायक आचार्य डॉ. सलिल कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर प्रमथनाथ मिश्र, प्रो. तेज प्रताप सिंह, डॉ. श्रीभगवान सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. आमोद राय, डॉ. उदसेन सिंह, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

'भारतीय विदेश नीति के बदलते आयाम : 2019 से अब तक' राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते नेपाल, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव पुरी ।